असली ज़िंदगी के हीरो

जेम्स बकले

असली ज़िंदगी के हीरो

जेम्स बकले

विषयवस्तु

अध्याय 1: कोई हीरो कैसे बनता है?

युवा नायक

अध्याय 2: जीवन रक्षक

हीरो एक-साथ

अध्याय 3: मानवाधिकार हीरो

मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा

अध्याय 4: खोजकर्ता!

अंतरिक्ष खोजकर्ता

अध्याय 5: चिकित्सा जगत के हीरो

विज्ञान के हीरो

खेल हीरो

पुरस्कार

अध्याय 1

कोई हीरो कैसे बनता है?

हम उन सभी सुपरहीरो से प्यार करते हैं जो अपनी अद्भुत महाशक्तियों से दुनिया को बदलते और बचाते हैं - लेकिन वे सिर्फ कहानियों में ही होते हैं. वास्तविक जीवन के हीरोज़ के पास महाशक्तियाँ नहीं होतीं हैं. उनकी शक्ति उनके साहस, दूसरों के प्रति चिंता और कुछ नायाब करने की इच्छा से आती है.

इस किताब में आप वास्तविक जीवन के नायकों के बारे में पढ़ेंगे. कुछ नायकों ने अपनी जान की बाजी लगाई. अन्य लोगों ने एक न्यायपूर्ण दुनिया के लिए लड़ाई लड़ी. कुछ हीरोज़ ने अनजान ओर अज्ञात स्थानों की ओर पहला कदम उठाया. अन्य हीरोज़ ने घातक बीमारियों के इलाज खोजे.

वास्तविक जीवन के हीरोज़ ने सुर्खियों या प्रसिद्धि की तलाश में यह काम नहीं किया. वे सिर्फ सही काम करने में विश्वास रखते थे.

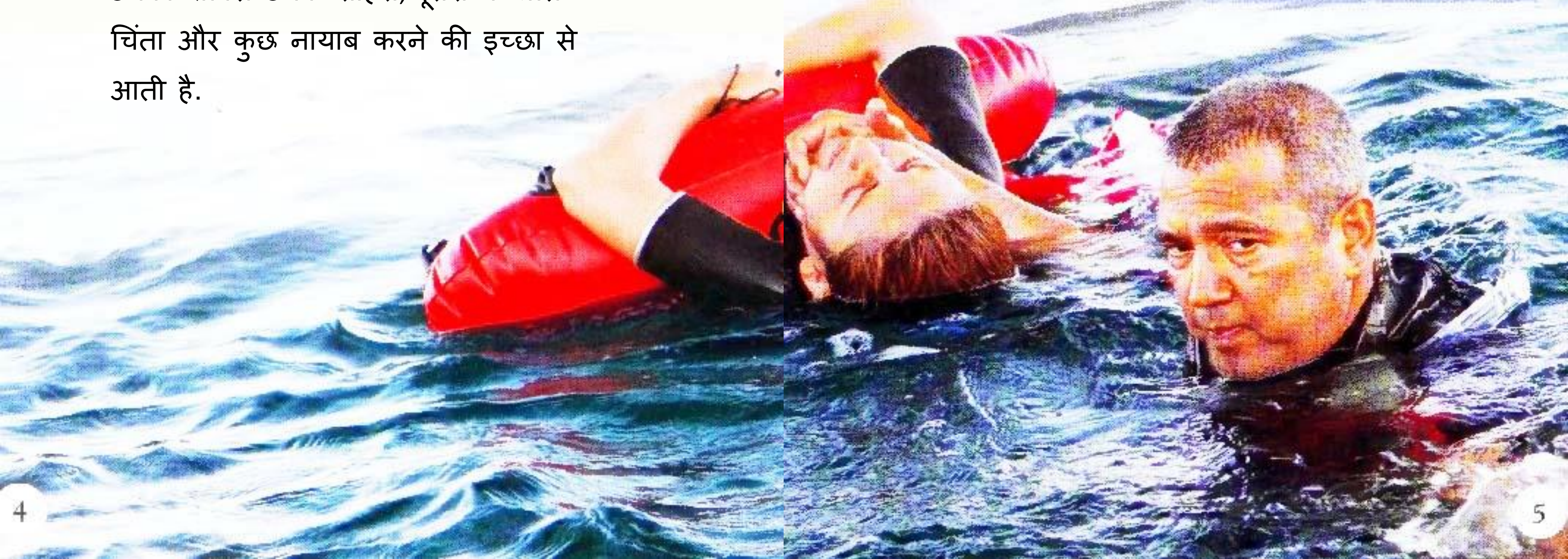

एक लाइफगार्ड समुद्र में जीवन-रक्षा अभ्यास के दौरान अपने कौशल का अभ्यास कर रहा है.

युवा नायक

ये सभी किशोर हीरो हैं. उन्होंने दुनिया को एक बेहतर जगह बनाने में हमारी मदद की है.

युसरा मर्दिनी

सीरिया में युद्ध से भागते समय, ओलंपिक तैराक युसरा मर्दिनी ने एक डूबती हुई नाव से छलांग लगाई और उसे सुरक्षा की ओर धकेल दिया. उसने नाव पर सवार सभी 20 लोगों को बचा लिया.

ईश्वर घिमिरे

जब भूकंप आया तो ईश्वर घिमिरे नेपाल में एक बच्चों के सेंटर में मदद कर रहा था. वो सभी 55 बच्चों को सुरक्षित स्थान पर ले जाने में सफल रहा.

स्टीफ़न सटन

खुद कैंसर से जूझते समय, स्टीफ़न सटन ने टीनएज कैंसर ट्रस्ट के लिए 10,000 £ (पौंड) जुटाने का निर्णय लिया. जब उसकी मृत्यु हुई, तब तक उसने 30 लाख ब्रिटिश पौंड जुटा लिए थे.

जैच बोनर

किशोर जैच बोनर लिटिल रेड वैगन फाउंडेशन के ज़रिए जरूरतमंद बच्चों के लिए धन जुटाता है. अपनी स्वयंसेवी संस्था को उसने आठ साल की उम्र में स्थापित किया था.

एंजेला झांग

जब वह 17 वर्ष की थी, एंजेला झांग ने कैंसर के उपचार पर अपने शोध के लिए एक पुरस्कार जीता. बाद में उसका महत्वपूर्ण शोध जीवन बचाने वाला एक इलाज बना.

अध्याय 2

जीवन रक्षक

11 सितंबर, 2001 को, आतंकवादियों ने न्यूयॉर्क शहर में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की गगनचुंबी इमारतों को हवाई-जहाज द्वारा दुर्घटनाग्रस्त कर दिया. उससे गगनचुंबी इमारतें ढह गईं. जीवित बचे लोगों को बचाने में मदद के लिए पुलिस, अग्निशामक, मेडिकल वर्कर और अन्य लोग वहां पहुंचे.

आतंकवादियों ने वाशिंगटन डीसी में यूनाइटेड स्टेट्स कैपिटल बिल्डिंग पर एक और विमान से वार किया. लेकिन यात्रियों ने उन पर जवाबी हमला किया. हालाँकि विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, लेकिन वो कैपिटल बिल्डिंग से नहीं टकराया.

वर्ल्ड ट्रेड सेंटर बचाव अभियान में सेवानिवृत्त फायर चीफ जोसेफ करी.

उन यात्रियों ने अपनी जान दे दी ताकि हजारों अन्य लोग बच सकें.

उस दिन कई लोग हीरो बने. उन्होंने दूसरों को बचाने के लिए अपनी जान खुद जोखिम में डाली.

युद्ध भी हीरोज का निर्माण करता है, लेकिन वैसा हमेशा युद्ध के मैदान पर नहीं होता है. द्वितीय विश्व युद्ध (1939-1945) के दौरान, नाज़ियों ने 60-लाख यहूदियों सहित लाखों लोगों की हत्या कर दी. कई बहादुर लोगों ने खतरे में पड़े लोगों की मदद करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाल दी.

ऑस्कर शिंडलर की फ़ैक्टरी पोलैंड में थी. वो एक ऐसा देश था जिस पर नाज़ियों ने आक्रमण किया था. कारखाने के कई कर्मचारी यहूदी थे. शिंडलर और उनकी पत्नी एमिली ने यहूदियों को नाज़ियों से बचाया.

ऑस्कर शिंडलर पोलैंड में अपने कारखाने के कर्मचारियों के साथ.

राउल वालेनबर्ग ने यहूदियों को शुट्ज़-पास नामक विशेष स्वीडिश पासपोर्ट दिए, जिसने वे नाज़ियों से सुरक्षित बच पाए.

राउल वालेनबर्ग एक स्वीडिश राजनयिक थे जो नाज़ियों द्वारा आक्रमण किए गए देश हंगरी में कार्यरत थे. उन्होंने यहूदियों को रहने के लिए सुरक्षित स्थान दिए और उन्हें सुरक्षा प्रदान करने के लिए विशेष स्वीडिश पासपोर्ट जारी किए. इस तरह उन्होंने लगभग 100,000 लोगों की जानें बचाईं.

जब नाज़ियों ने पोलैंड पर आक्रमण किया, तो इरेना सेंडलर पोलिश शहर वारसॉ में बच्चों के साथ काम कर रही थीं. गुप्त रूप से, उन्होंने लगभग 2,000 यहूदी बच्चों को नाज़ियों से बचकर भागने में मदद की.

निकोलस विंटन नाम के एक ब्रिटिश नागरिक ने सैकड़ों बच्चों को नाज़ियों से बचाया. उन्होंने किंडरट्रांसपोर्ट नामक एक बचाव अभियान के ज़रिए बच्चों को सुरक्षित ग्रेट ब्रिटेन भेजा.

इन बहादुर नायकों के बिना, कई और जानें चली जातीं.

किंडरट्रांसपोर्ट के बच्चे ग्रेट ब्रिटेन पहुंचे.

द्वितीय विश्व युद्ध के एक अन्य नायक कनाडा के जोन बैमफोर्ड फ्लेचर थे. उन्होंने इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर एक बचाव अभियान का नेतृत्व किया. उन्होंने 805-किमी (500-मील) खतरनाक जंगल में, कैदियों और सैनिकों का सुरक्षित मार्गदर्शन किया.

जीवन-रक्षक हीरो शांतिकाल के दौरान भी काम करते हैं. मदर टेरेसा ने अपना जीवन कोलकाता, भारत में "सबसे गरीब लोगों" की देखभाल के लिए समर्पित किया.

सुमात्रा का जंगल

मदर टेरेसा द्वारा स्थापित "मिशनरीज ऑफ चैरिटी" पिछले 65 वर्षों से अधिक समय से लोगों की मदद कर रही है.

उन्होंने मिशनरीज़ ऑफ चैरिटी की स्थापना की, जो दुनिया भर में मदर टेरेसा का काम करती है. मदर टेरेसा को 2016 में एक कैथोलिक संत बनाया गया.

इस पेंटिंग में भागे हुए दासों को, भूमिगत रेलमार्ग पर किसी सुरक्षित स्थान पर ले जाते हुए दिखाया गया है.

हैरियट टबमैन ने दूसरों को स्वतंत्र होने में मदद करने के लिए अपनी स्वतंत्रता को जोखिम में डाला. 1865 तक, संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिणी राज्यों में गुलामी कानूनी थी. टबमैन, दक्षिण के गुलाम-मालिक से बचकर, एक गुप्त मार्ग से यात्रा करके उत्तर पहुंचीं और गुलामी से बचीं. इस गुप्त मार्ग को भूमिगत रेलमार्ग कहा जाता है.

आज़ाद होने के बाद, टबमैन भूमिगत रेलमार्ग द्वारा सैकड़ों गुलामों को आज़ादी की ओर ले जाने के लिए बार-बार दक्षिण लौटीं. प्रत्येक यात्रा में, टबमैन को पकड़े जाने और फिर से गुलाम बनाए जाने का जोखिम मौजूद था. वो एक हीरोइन थीं, जिन्होंने सैकड़ों लोगों को उनकी आज़ादी दिलाने में मदद की.

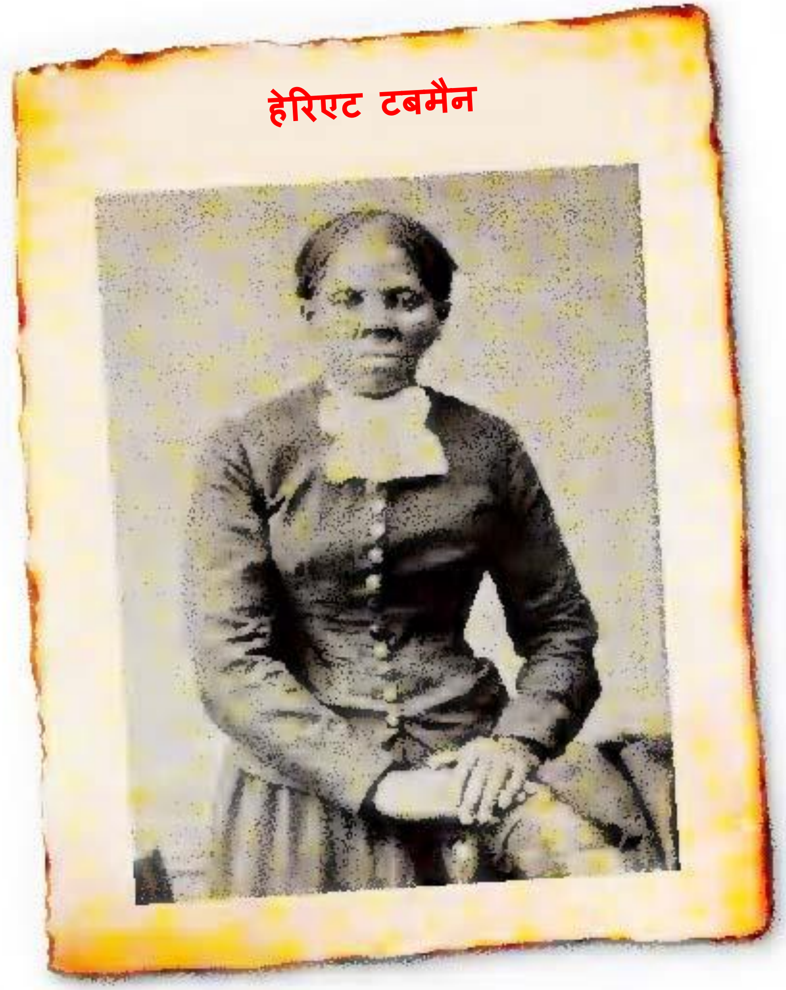

हीरो एक-साथ

ये अंतर्राष्ट्रीय संगठन हीरोज़ के समूहों के बने हैं जो जीवन बचाने के लिए मिलकर काम करते हैं.

यूनिसेफ

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष, दुनिया भर के बच्चों को भोजन, आश्रय, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा में मदद करता है.

तटरक्षक और जीवनरक्षक सेवाएँ

तटरक्षक बल और जीवनरक्षक नौकाएँ दुनिया भर के समुद्रों और महासागरों से लोगों को बचाती हैं.

बिना सरहद वाले डॉक्टर

अपने फ्रेंच नाम, मेडेसिन्स सैन्स फ्रंटिएरेस से भी जाने जाने वाले, ये डॉक्टर और नर्स जहां भी जरूरत हो, वहां पर अपनी स्वास्थ्य सेवाएं देते हैं.

अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट

रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट, प्राकृतिक आपदाओं, युद्ध और अन्य अंतरराष्ट्रीय आपात स्थितियों के पीड़ितों की सहायता करते हैं.

अध्याय 3

मानवाधिकार

कभी-कभी, कोई हीरो जो कुछ कहता है उससे दुनिया बदल जाती है. ऐसे हीरो यह सुनिश्चित करने के लिए लड़ते हैं कि सभी लोगों के अधिकारों की रक्षा हो.

200 से अधिक वर्षों तक, ग्रेट ब्रिटेन ने भारत पर शासन किया, लेकिन कई भारतीय चाहते थे कि उनका देश स्वतंत्र हो. महात्मा गांधी ने उस आजादी की लड़ाई का नेतृत्व किया. उन्होंने लोगों को दिखाया कि हिंसा का इस्तेमाल किए बिना विरोध कैसे किया जाता है. 1947 में, भारत अंततः स्वतंत्र हुआ. गांधी जी के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के उदाहरण ने उन्हें एक हीरो बना दिया.

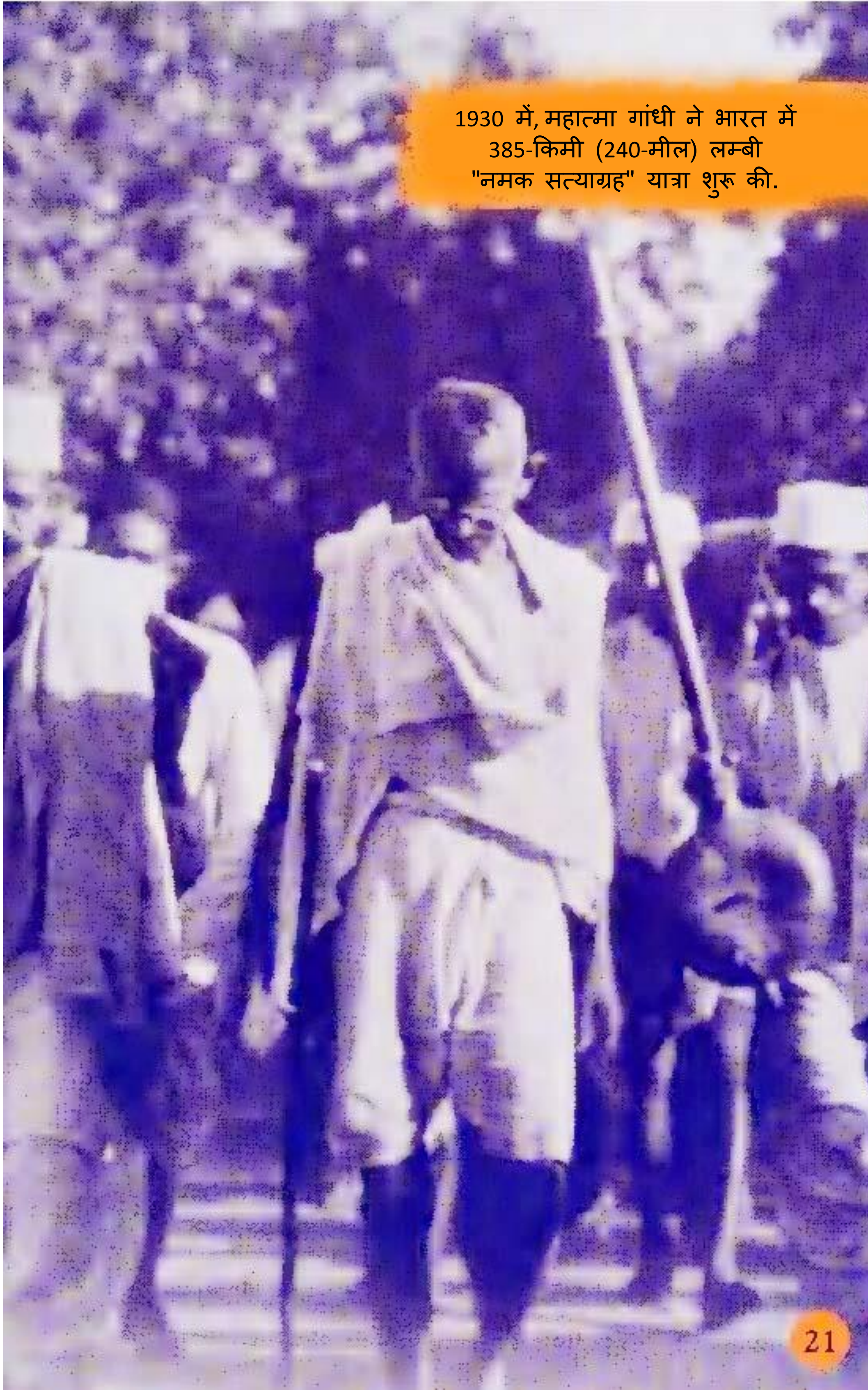

1930 में, महात्मा गांधी ने भारत में 385-किमी (240-मील) लम्बी "नमक सत्याग्रह" यात्रा शुरू की.

म्यांमार देश में, जिसे बर्मा के नाम से भी जाना जाता है, आंग सान सू ची ने लोगों द्वारा चुनी गई एक निष्पक्ष सरकार बनाने का आह्वान किया. पर म्यांमार के सैन्य नेताओं ने उन्हें घर में नजरबंद कर दिया, जिसका मतलब था कि वो अपने ही घर में कैदी थीं.

25 से अधिक वर्षों तक, आंग सान सू ची ने, महात्मा गांधी के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन का अनुसरण किया. अंततः, 2015 में खुले चुनाव हुए और म्यांमार के लोग एक प्रजातान्त्रिक सरकार के लिए मतदान करने में सक्षम हुए.

?

आंग सान सू ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में किसकी नकल की?

आंग सान सू ची म्यांमार में नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी पार्टी की एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलती हुई.

गांधी के शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन के उदाहरण ने डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर को भी प्रभावित किया. किंग ने, संयुक्त राज्य अमेरिका में, अफ्रीकी-अमेरिकियों को निष्पक्ष और समान अधिकार प्राप्त करने के लिए अपनी आवाज़ उठाई. उन्होंने मोर्चों का नेतृत्व किया और भाषण दिए जिससे लाखों लोग प्रेरित हुए.

उनका "आई हैव ए ड्रीम" (मेरा एक सपना है) भाषण विश्व प्रसिद्ध हुआ. किंग ने कहा कि उनका सपना था कि एक दिन, सभी रंग और धर्मों के लोगों के साथ समान व्यवहार होगा.

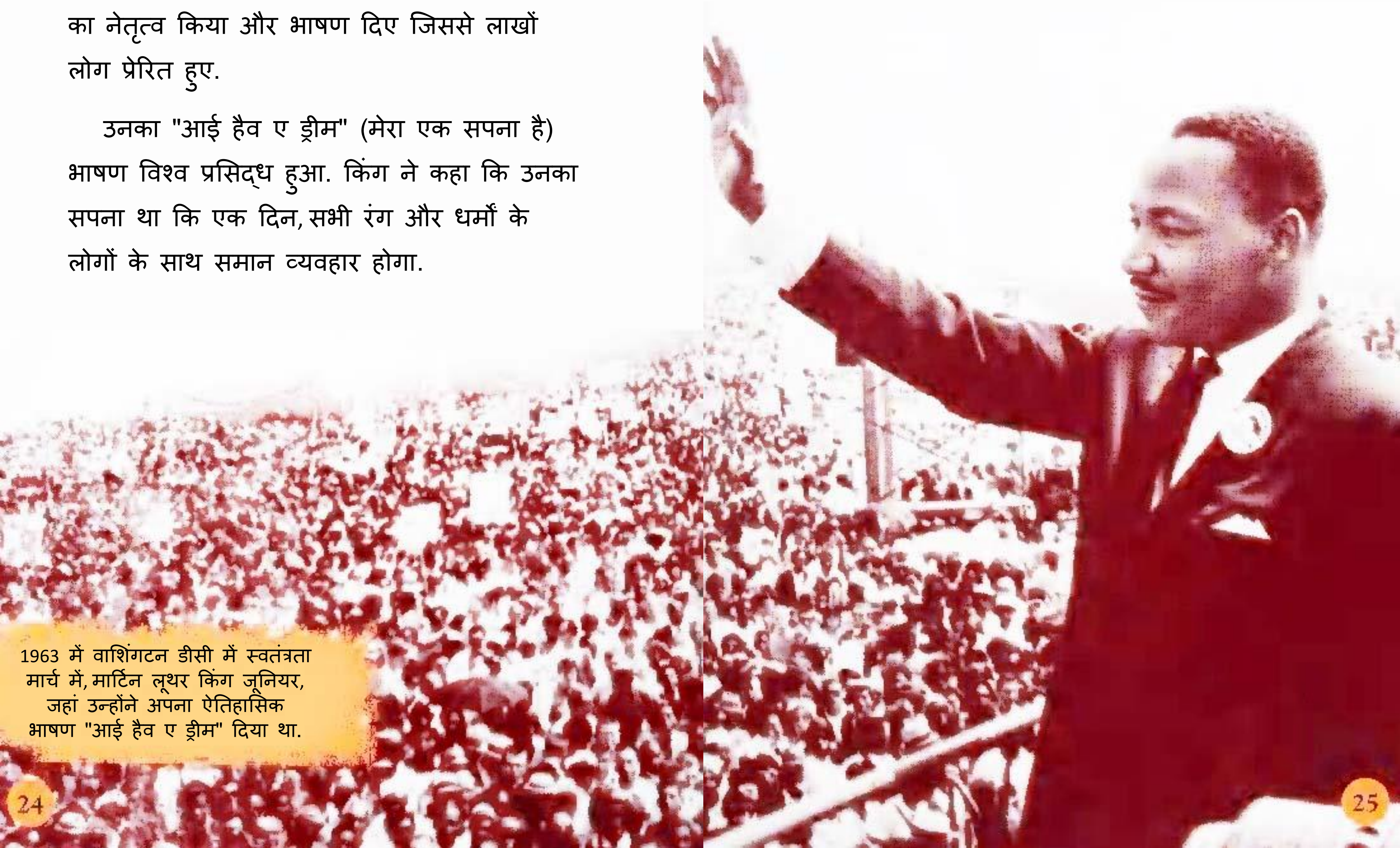

1963 में वाशिंगटन डीसी में स्वतंत्रता मार्च में, मार्टिन लूथर किंग जूनियर, जहां उन्होंने अपना ऐतिहासिक भाषण "आई हैव ए ड्रीम" दिया था.

सभी लोगों के बीच शांति और मित्रता का मार्टिन लूथर किंग जूनियर का संदेश, आज भी लोगों के लिए शक्तिशाली मायने रखता है.

1948 में, दक्षिण अफ्रीका ने "रंगभेद" नामक कानून पारित किया. तब देश को गोरे लोग चलाते थे, जबकि काले दक्षिण अफ़्रीकी और मिश्रित नस्ल के लोग वहां पर दूसरे दर्जे के नागरिक थे. दुनिया भर में लोगों ने उस क़ानून का विरोध किया.

रंगभेद के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व करते हुए नेल्सन मंडेला को गिरफ्तार किया गया. जेल में अपने 27 वर्षों के दौरान, वो विरोध प्रदर्शनों के एक अग्रणी प्रतीक थे. अपनी रिहाई के बाद, उन्होंने अंततः रंगभेद कानूनों को समाप्त करने के लिए दक्षिण अफ़्रीकी राजनेताओं के साथ काम किया. 1994 में मंडेला अपने देश के राष्ट्रपति चुने गये.

1994 में दक्षिण अफ़्रीकी लोगों ने नेल्सन मंडेला के लिए अभियान चलाया.

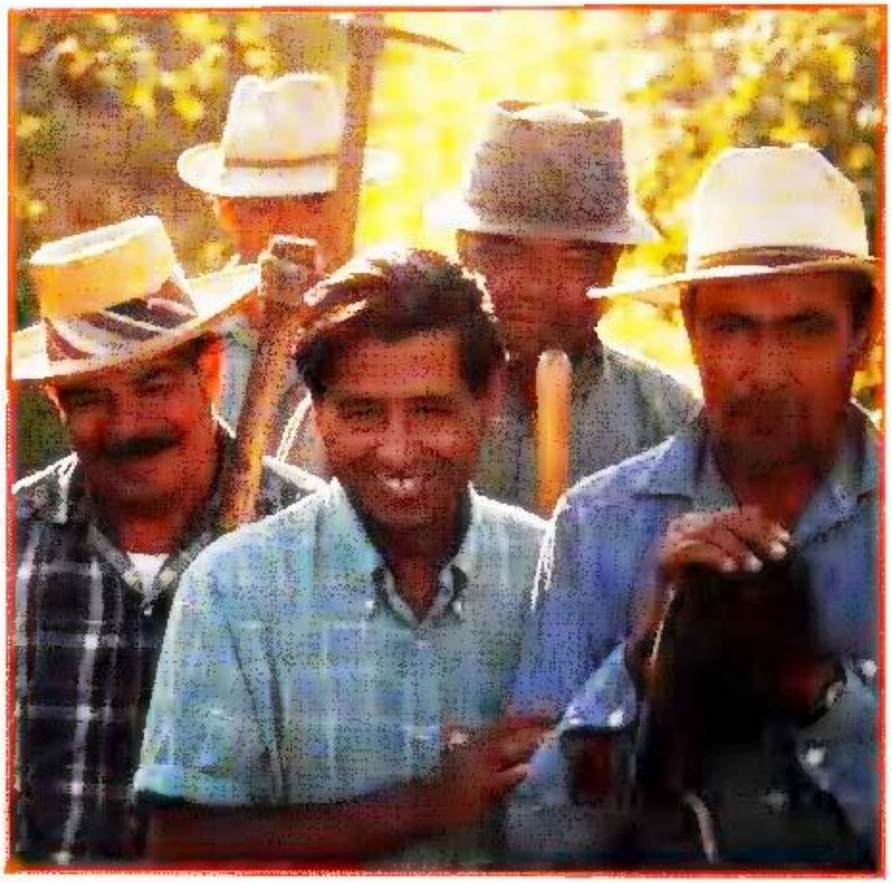

कैलिफ़ोर्निया, संयुक्त राज्य अमेरिका में एक अंगूर बागान में अंगूर चुनने वालों के साथ सीज़र चावेज़.

संयुक्त राज्य अमेरिका में, सीज़र शावेज़ ने कृषि श्रमिकों को उचित वेतन और सुरक्षित कामकाजी परिस्थितियाँ दिलाने में मदद की. उन्होंने खेत मजदूरों को एक मज़दूर यूनियन में संगठित किया ताकि वे अपने हालात को बेहतर बनाने के लिए मिलकर काम कर सकें.

पररिगोबर्टा मेन्चु ग्वाटेमाला देश में मूल माया लोगों के अधिकारों के लिए काम करती हैं. उन्होंने वहां पर गृहयुद्ध का भी विरोध किया. हालाँकि उनके काम में अक्सर खतरा होता है, लेकिन मेन्चू ने ग्वाटेमाला में लोगों के अधिकारों के लिए अभियान चलाना जारी रखा है.

रिगोबर्टा मेन्चू अपने समर्थकों के साथ मार्च करते हुए.

पाकिस्तान में तालिबान नामक आतंकवादियों के एक समूह का मानना था कि लड़कियों को स्कूल नहीं जाना चाहिए. एक बहादुर लड़की, मलाला यूसुफजई ने कड़ी मेहनत करके पढ़ाई की. उन्होंने अन्य सीखना चाहने वाली लड़कियां को भी प्रेरित किया. उन्हें अपने काम के लिए काफी शोहरत मिली.

जब वो 15 साल की थीं, तब एक तालिबान बंदूकधारी ने उनके सिर में गोली मार दी. यूसुफजई ठीक हो गईं. उन्होंने लड़कियों को शिक्षा का अवसर दिलाने में मदद करना जारी रखा. मलाला यूसुफजई एक युवा लड़की हैं जो पहले अपने अधिकारों, और फिर दूसरों के अधिकारों के लिए लड़ने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय हीरोइन बन गई हैं.

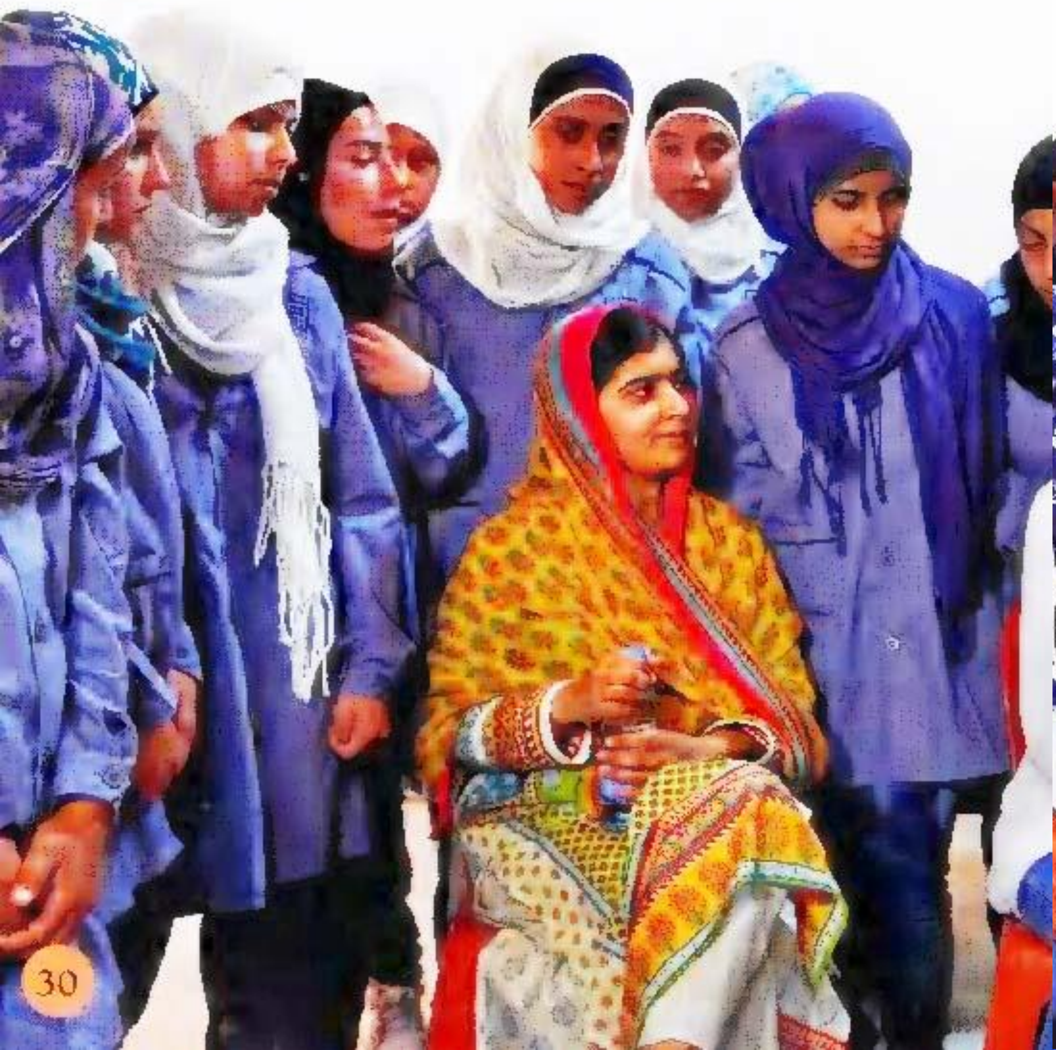

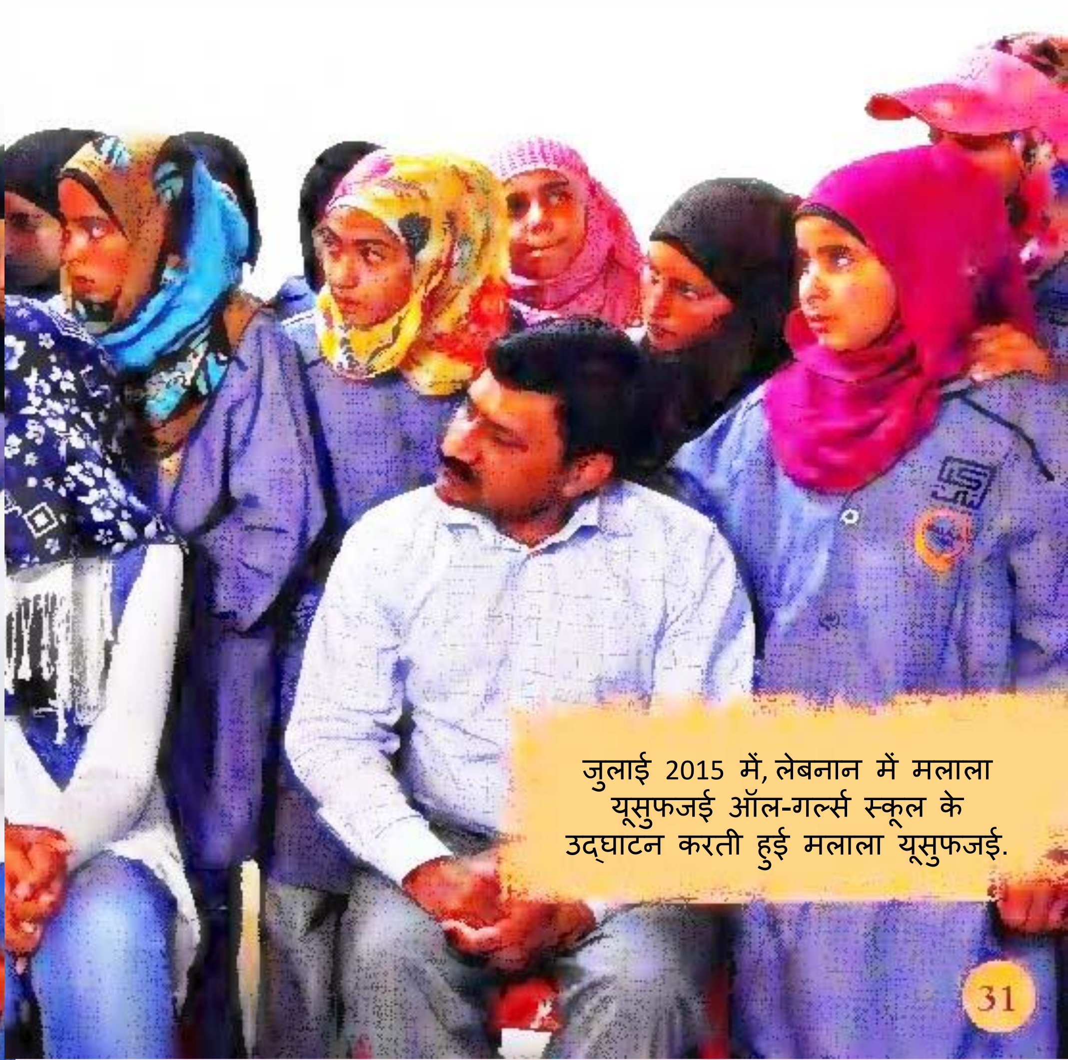

जुलाई 2015 में, लेबनान में मलाला यूसुफजई ऑल-गर्ल्स स्कूल के उद्घाटन करती हुई मलाला यूसुफजई.

मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा

एलेनोर रूज़वेल्ट ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को प्रेरित किया.

यह दस्तावेज़ बताता है कि सभी लोगों के साथ कैसा व्यवहार किया जाना चाहिए. घोषणा में लोगों के कुछ मूलभूत अधिकारों का उल्लेख है. यह अफसोस की बात है कि दुनिया भर में कई लोगों को आज भी ये अधिकार उपलब्ध नहीं हैं.

सभी मनुष्य, स्वतंत्र और समान पैदा होते हैं.

हर किसी को जीवन, स्वतंत्रता और सुरक्षा का अधिकार मिले.

प्रत्येक व्यक्ति को विचार, विवेक और धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार मिले.

सभी को शिक्षा का अधिकार मिले.

अध्याय 4

खोजकर्ता!

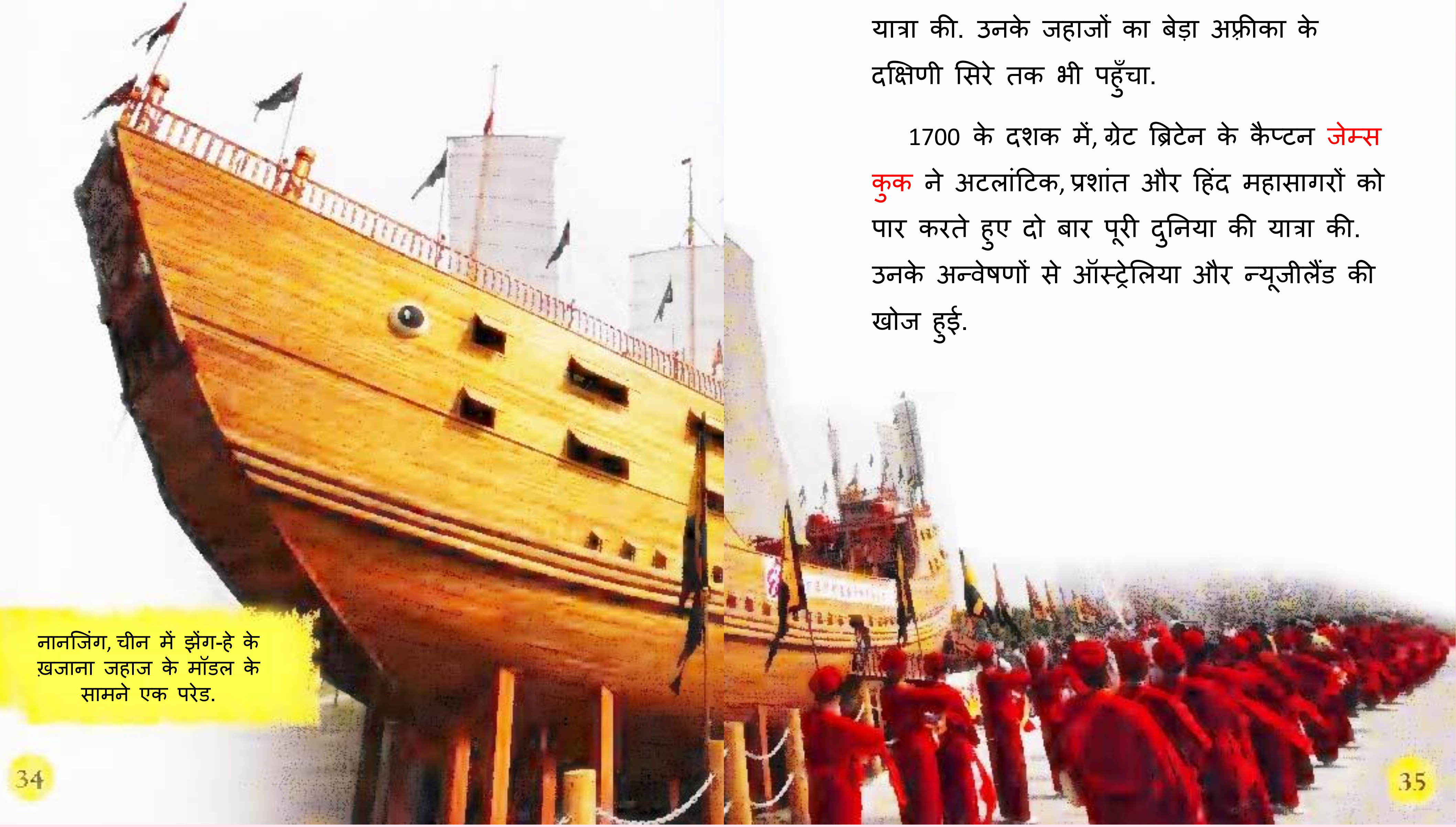

नानजिंग, चीन में झेंग-हे के ख़ज़ाना जहाज के मॉडल के सामने एक परेड.

दुनिया के महान खोजकर्ता ऐसे हीरो हैं जिन्होंने अज्ञात स्थानों की खोज के लिए अपने भय को एक तरफ रख दिया था.

1400 के दशक में, दुनिया का अधिकांश भाग अज्ञात था. तब चीन के एक जहाज कप्तान झेंग-हे ने, प्रशांत और हिंद महासागरों के आसपास यात्रा की. उनके जहाजों का बेड़ा अफ़्रीका के दक्षिणी सिरे तक भी पहुँचा.

1700 के दशक में, ग्रेट ब्रिटेन के कैप्टन जेम्स कुक ने अटलांटिक, प्रशांत और हिंद महासागरों को पार करते हुए दो बार पूरी दुनिया की यात्रा की. उनके अन्वेषणों से ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड की खोज हुई.

1800 के दशक की शुरुआत में, संयुक्त राज्य अमेरिका का अधिकांश भाग अभी भी अज्ञात था. 1804 में, कैप्टन मेरिवेदर लुईस और विलियम क्लार्क नई भूमि का पता लगाने के लिए एक अभियान पर निकले. सैकागाविया नाम की एक अमेरिकी-इंडियन महिला ने उनकी मदद की. अपने अभियान में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा.

उन्होंने तेजी से बहने वाली नदियों और ऊंचे पहाड़ों को पार किया. रास्ते में उन्हें नए प्रकार के जानवर और पौधे मिले. वे अनेक अमेरिकी-इंडियंस से भी मिले. लुईस और क्लार्क ने अपने अभियान के बारे में डायरियां रखीं. बाद में, लोगों ने उन डायरियां का पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए एक गाइड के रूप में उपयोग किया.

यह मानचित्र लुईस और क्लार्क की अभियान टीम के संयुक्त राज्य अमेरिका से, प्रशांत महासागर तक 6,000-किमी (3,700-मील) से अधिक की दूरी को दर्शाता है. उन्हें वापसी में दुबारा वही यात्रा करनी पड़ी!

संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थान

1903 में, ऑरविल और विल्बर राइट भाइयों ने पहले कार्यशील हवाई जहाज का आविष्कार किया. वे बहादुरी से आकाश में उड़े. उन्हें यह नहीं पता था कि उनका विमान उड़ान भर पाएगा या नहीं. उनकी पहली सफल उड़ान 12 सेकंड तक ही चली. राइट बंधुओं की बदौलत अब हवाई-यात्रा आम हो गई है.

उसके बाद अनेकों पायलटों ने हवा में उड़ानें भरीं. 1932 में, अमेलिया इयरहार्ट अपने दम पर अटलांटिक महासागर पार करने वाली पहली महिला पायलट बनीं. उन्होंने संयुक्त राज्य भर में उड़ान भरी और फिर वापस लौटीं. दुःख की बात है कि उनका विमान प्रशांत महासागर के पार उड़ान भरते समय गायब हो गया. लेकिन इयरहार्ट की साहसिक उड़ानों ने, अन्य पायलटों के लिए मार्ग प्रशस्त किया.

? पहले उड़ने वाले हवाई जहाज का आविष्कार कब हुआ?

अमेरिकी पायलट अमेलिया इयरहार्ट

अर्नेस्ट शेकलटन का जहाज, एंड्योरेंस, बर्फ में फंस गया.

1914 में, ब्रिटिश खोजकर्ता अर्नेस्ट शेकलटन अंटार्कटिका का पता लगाने के लिए निकले, उनका जहाज, एंड्योरेंस, बर्फ में फंस गया! वो और उनका दल एक वर्ष से अधिक समय तक बर्फ में फंसा रहा. शेकलटन ने मदद ढूंढने के लिए अंटार्कटिक में एक छोटी सी टीम का नेतृत्व किया. अंत में उन्होंने अपने पूरे दल को बचा लिया और फिर वो एक हीरो बन गए.

ग्रेट ब्रिटेन के एडमंड हिलेरी और नेपाल के तेनसिंग नोर्गे, दुनिया के सबसे ऊंचे पर्वत - माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने के बाद हीरो बने.

हिलेरी और नोर्गे, माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाले पहले व्यक्ति थे. उसके बाद, सैकड़ों अन्य साहसी पर्वतारोही उनके नक्शेकदम पर चले.

एडमंड हिलेरी और तेनसिंग नोर्गे, मई 1953 में माउंट एवरेस्ट की चोटी पर.

फ्रांसीसी खोजकर्ता जैक्स कॉस्ट्यू समुद्र के नीचे गहराई तक वहां गोता लगाना चाहते थे जहाँ पहले कोई नहीं गया था. 1943 में, उन्होंने स्कूबा डाइविंग का आविष्कार किया, ऐसे उपकरण के साथ जो गोताखोरों को पानी के भीतर सांस लेने की अनुमति देता था. बाद में कॉस्ट्यू अपनी अंडरवाटर फिल्मों के लिए भी प्रसिद्ध हुए.

सिल्विया अर्ल एक अमेरिकी समुद्री जीवविज्ञानी हैं जो पौधों और जानवरों का अध्ययन करने के लिए समुद्र की सतह के नीचे गहराई तक गोता लगाया. अर्ल दुनिया के महासागरों की रक्षा के लिए एक अभियान का नेतृत्व भी करती हैं.

कनाडाई फिल्म निर्देशक जेम्स कैमरून, टाइटैनिक फिल्म की शूटिंग के दौरान गहरे समुद्र में गोता लगाने के प्रति आकर्षित हुए. वो पृथ्वी के सबसे गहरी खाई, मारियाना ट्रेंच के निचले भाग का पता लगाने वाले पहले एकल गोताखोर बने. वो खाई लगभग 11-किमी (7-मील) गहरी थी.

सिल्विया अर्ल ने शार्क के अध्ययन के लिए पानी में गोता लगाया.

अंतरिक्ष खोजकर्ता

जो अंतरिक्ष खोजकर्ता सबसे पहले पृथ्वी के वायुमंडल से बाहर निकले, वे भी हीरो थे.

सोवियत संघ (अब रूस) के यूरी गगारिन 1961 में, अंतरिक्ष में जाने वाले और पृथ्वी की परिक्रमा लगाने वाले पहले मानव बने.

अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री नील आर्मस्ट्रांग और एडविन "बज़" एल्ड्रिन 1969 में, चंद्रमा पर कदम रखने वाले पहले इंसान बने.

1998 से, दुनिया भर के अंतरिक्ष खोजकर्ता बारी-बारी से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर रहने और काम करने के लिए जाते हैं.

अध्याय 5

चिकित्सा जगत के हीरो

घातक बीमारियों से लड़ने के लिए नायकों की भी जरूरत होती है. टीके, लोगों को कई बीमारियों से बचाते हैं. 1796 में ब्रिटिश डॉक्टर एडवर्ड जेनर ने पहली वैक्सीन का आविष्कार किया. उस टीके ने चेचक जैसी खतरनाक बीमारी को रोका जिसका पहले कोई इलाज नहीं था. अब कई अलग-अलग बीमारियों से बचाव के लिए टीके मौजूद हैं.

1952 में, अमेरिकी डॉक्टर जोनास साल्क ने मांसपेशियों की बीमारी पोलियो को रोकने के लिए एक टीका विकसित किया, जिससे लाखों लोग, विशेषकर बच्चे पोलियो से बचे. साल्क की वैक्सीन के कारण आज दुनिया पोलियो से लगभग छुटकारा पा चुकी है.

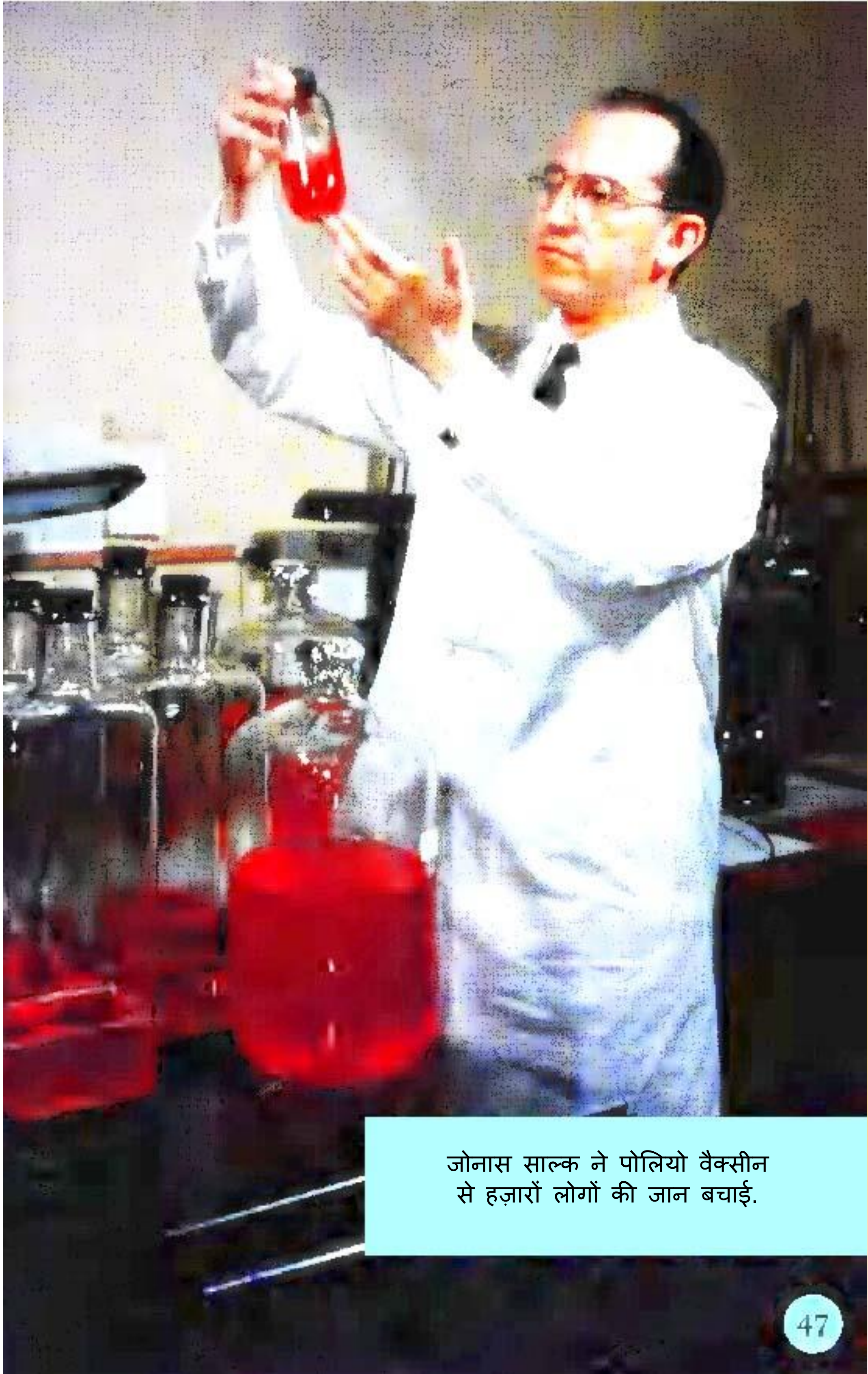

जोनास साल्क ने पोलियो वैक्सीन से हज़ारों लोगों की जान बचाई.

1863 में, फ्रांसीसी वैज्ञानिक लुई पाश्चर ने बैक्टीरिया को मारने का एक तरीका खोजा ताकि भोजन लंबे समय तक सुरक्षित और ठीक बना रहे. उनकी प्रक्रिया को "पाश्चुरीकरण" कहा जाता है. पाश्चर ने रेबीज और एंथ्रेक्स जैसी घातक बीमारियों के लिए टीके भी विकसित किए.

एंटीबायोटिक वो दवा है जिसका उपयोग संक्रमण पैदा करने वाले बैक्टीरिया को मारने के लिए किया जाता है. स्कॉटिश डॉक्टर अलेक्जेंडर फ्लेमिंग ने 1928 में पहली एंटीबायोटिक की खोज की. जब वो एक डिश में फफूंदी उगा रहे थे तब उन्होंने देखा कि उससे आसपास के बैक्टीरिया मर गए थे. उन्होंने उसे पेनिसिलिन नाम दिया. तब से, पेनिसिलिन और अन्य एंटीबायोटिक्स महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाएं बन गई हैं.

रोटी पर फफूंद का उगना.

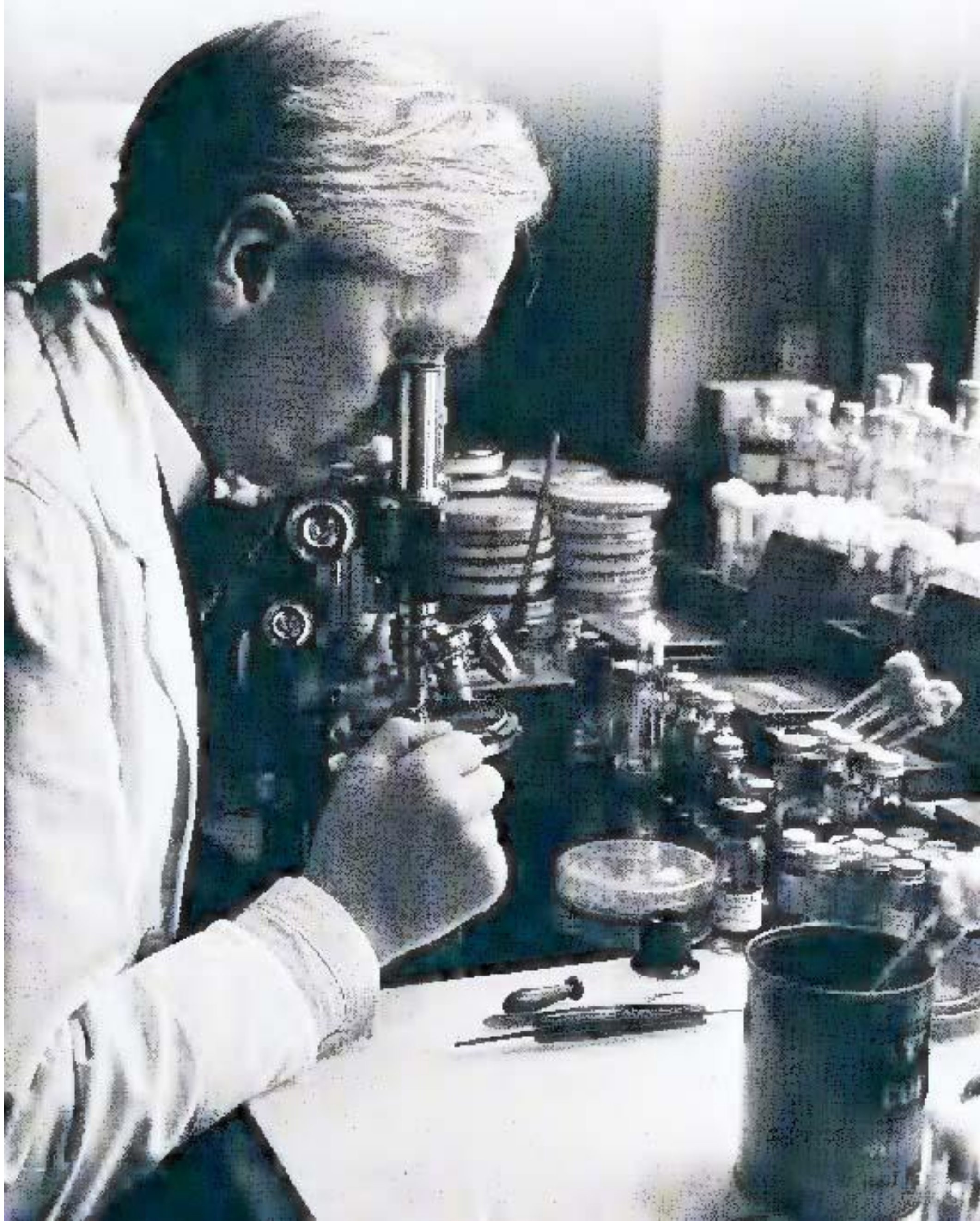

अलेक्जेंडर फ्लेमिंग लंदन, इंग्लैंड में अपनी प्रयोगशाला में माइक्रोस्कोप से देखते हुए.

फ्लोरेंस नाइटिंगेल एक ब्रिटिश नर्स थीं जिन्होंने क्रीमिया युद्ध (1854-1856) के दौरान कई सैनिकों की जान बचाई. नाइटिंगेल ने सैनिकों को गंदे अस्पतालों में संक्रमण से मरते हुए देखा था. उन्होंने दिखाया कि साफ़-स्वच्छ अस्पतालों में मरीजों के जीवित रहने की संभावना अधिक होती है. नाइटिंगेल ने आधुनिक नर्सिंग की स्थापना की. तब से, नर्सों ने लाखों लोगों की जान बचाने में मदद की है!

जमैका की मैरी सीकोल ने सैनिकों की देखभाल के लिए क्रीमिया की यात्रा करने के लिए अपनी बचत पूँजी का उपयोग किया. उन्होंने वहां एक अस्पताल स्थापित किया और युद्ध के मैदान में सैनिकों की मदद करने के लिए अपनी जान जोखिम में डाली.

क्रीमिया युद्ध के दौरान तुर्की के स्कूटरी अस्पताल में फ्लोरेंस नाइटिंगेल.

बीमार या घायल रोगियों को बाहर से रक्त देकर प्रतिदिन लाखों लोगों की जान बचाई जाती है. 1930 के दशक में, चार्ल्स ड्रू नाम के एक अफ्रीकी-अमेरिकी डॉक्टर ने रक्त को लंबे समय तक संरक्षित रखने का एक तरीका विकसित करके मरीज़ों को रक्त चढ़ाना संभव बनाया.

ट्रांसफ़्यूज़न के लिए रक्त दान करती एक महिला.

इसका मतलब था कि दाताओं द्वारा दिए गए रक्त को जरूरत पड़ने तक सुरक्षित रूप से संग्रहित किया जा सकता था. फिर इस रक्त को उस रोगी को चढ़ाया जा सकता है जिसे उसकी आवश्यकता हो.

रक्तदाता अन्य लोगों की जान बचाने के लिए अपना कुछ रक्त दान देते हैं. वे भी हीरो हैं!

दाता के रक्त को विशेष थैलियों में संग्रहित किया जाता है.

? चार्ल्स ड्रू ने रक्त ट्रांसफ़्यूज़न कैसे संभव बनाया?

विज्ञान के हीरो

विज्ञान के इन हीरोज़ ने अपने अभूतपूर्व विचारों से दुनिया के बारे में हमारे सोचने के तरीके को बदल दिया.

आइजैक न्यूटन

न्यूटन ने सबसे पहले एक पेड़ से गिरते सेब के उदाहरण से समझाया कि गुरुत्वाकर्षण कैसे काम करता था.

मैरी क्यूरी और इरेना जूलियट-क्यूरी

माँ और बेटी वैज्ञानिकों ने रेडियोधर्मी रसायनों पर शोध किया, जिससे जीवन रक्षक उपचार मिले.

चार्ल्स डार्विन

प्रकृति के बारे में डार्विन के अध्ययन से विकासवाद का सिद्धांत सामने आया, जिसमें कहा गया है कि मनुष्य वानरों से विकसित हुए थे.

अल्बर्ट आइंस्टीन

ऊर्जा, पदार्थ और समय से जुड़े आइंस्टीन के सापेक्षता के सिद्धांतों ने भौतिकी के अध्ययन को बदल दिया.

रैचिल कार्सन

कार्सन एक वैज्ञानिक और प्रकृति लेखक थीं जिन्होंने सबसे पहले पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने वाले खतरों के बारे में चेतावनी दी थी.

खेल हीरो

ये खेलों में रिकॉर्ड तोड़ने वाले हीरो हैं जिन्होंने सारी दुनिया को प्रेरित किया है.

उसैन बोल्ट

धावक उसैन बोल्ट ने तीन ओलंपिक खेलों में 100 मीटर और 200 मीटर दौड़ और स्प्रिंट रिले में स्वर्ण पदक जीता. उनकी उपलब्धि को "ट्रिपल-ट्रिपल" के नाम से जाना जाता है

सेरेना विलियम्स

14 साल की उम्र में पेशेवर बनने के बाद से, टेनिस स्टार सेरेना विलियम्स ने 90 से अधिक टूर्नामेंट जीते हैं, जिसमें उनकी बहन वीनस के साथ डबल्स भी शामिल है.

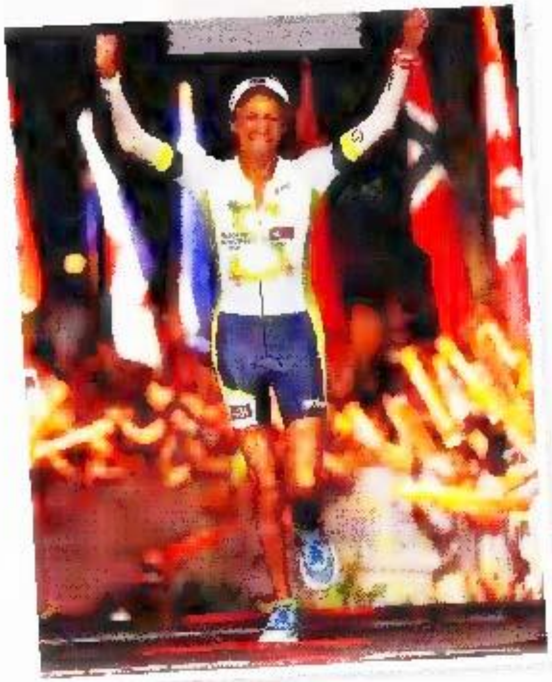

टुरिया पिट

अपने शरीर का अधिकांश हिस्सा गंभीर रूप से जलने के बावजूद, टुरिया पिट आयरनमैन ने ट्रायथलॉन की प्रतिस्पर्धा में भाग लिया जिसमें 3.8-किमी (2.4-मील) तैराकी, 180-किमी (112-मील) साइकिल चलाना और 42-किमी (26.2-मील) दौड़ना शामिल थी.

पेले

पेले को अब तक के सबसे महान फुटबॉलरों में से एक माना जाता है! उन्होंने ब्राज़ील टीम को तीन विश्व कप जिताए और अपनी प्रसिद्धि का उपयोग दुनिया भर के बच्चों की मदद करने के लिए किया.

पुरस्कार

ये कुछ पुरस्कार हैं जो लोगों को
वीरतापूर्ण कार्यों के लिए दिए जाते हैं.

कांग्रेसनल मेडल ऑफ ऑनर, अमरीका

लीजियन डी'होनूर, फ़्रांस

विक्टोरिया क्रॉस, ग्रेट ब्रिटेन

नोबेल पुरस्कार, दुनिया भर में